

खबर संक्षेप

डबरपुर में शुरू होगा बायोमास पेलेट प्लांट

गन्नीर। गन्नीर के डबरपुर में करीब 2 एकड़ में तैयार बायोमास पेलेट प्लांट का सोमवार शाम 6 बजे उद्घाटन होगा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी और विधायक देवेंद्र कादियान प्लांट का उद्घाटन करेंगे। प्लांट में किसानों से पराली, तुड़ो, गन्ने की पत्तियां और कपास के अवशेष खरीदे जाएंगे। कंपनी इन्हें बायोकोल में बदलेगी। एमडी दीक्षित रेड्डी ने बताया कि प्लांट की क्षमता 4 टन प्रति घंटे है। कृषि अवशेष जलाने की बजाय बेचने से किसानों को आमदनी होगी और पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण पर भी रोक लगाने में मदद मिलेगी।

पूर्व सरपंच कृष्ण बने धर्मार्थ गोशाला सिसाना के प्रधान

खरखौदा। धर्मार्थ गोशाला सिसाना के प्रधान पद के चुनाव को लेकर लंबे समय से चल रही उठापटक के बीच रविवार को गोशाला में आमसभा की बैठक आयोजित की गई। पूर्व कार्यकारी अभियंता धर्मवीर दहिया ने बैठक की अध्यक्षता की। प्रधान के चयन को लेकर विभिन्न गांवों से 'उकासे' के लिए नाम तय किए गए। इसके बाद उक्त कमेटी ने विचार विनिमय कर सिसाना के पूर्व सरपंच कृष्ण पुत्र कन्हैया लाल को तीन वर्ष के लिए गोशाला का प्रधान बनाने का निर्णय लिया गया। ज्ञातव्य है कि उकासे के लिए अलग-अलग गांवों एवं सामाजिक वर्गों से दो-दो नाम प्रस्तावित किए गए। जिनमें गांव समचाना से राममेहर व रामेश्वर, मोर खेड़ी से अजय शामिल थे।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

गन्नीर। अपराध जांच इकाई गन्नीर की टीम ने जीटी रोड पर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े एक युवक को अवैध देशी कट्टे सहित गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ एचएसआईआईडीसी बड़ी थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार अपराध जांच इकाई गन्नीर के मुख्य सिपाही जयभगवान अपनी टीम के साथ गांव बड़ी चौक फ्लाईओवर के नीचे गश्त और अपराध जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पानीपत-दिल्ली जीटी रोड की सर्विस लेन पर त्रिषि चेतन्य आश्रम मोड़ के पास एक युवक अवैध हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बताया गए हुलिये के युवक को घेराबंदी कर काबू कर लिया। उसकी पहचान करण पुत्र भूपेंद्र निवासी निलोटी मोड़, नांगलोई, दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी लेने पर आरोपित की जींस की दाहिनी जेब से एक अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम में मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

गन्नीर। अपराध जांच इकाई गन्नीर की टीम ने जीटी रोड पर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े एक युवक को अवैध देशी कट्टे सहित गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ एचएसआईआईडीसी बड़ी थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार अपराध जांच इकाई गन्नीर के मुख्य सिपाही जयभगवान अपनी टीम के साथ गांव बड़ी चौक फ्लाईओवर के नीचे गश्त और अपराध जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पानीपत-दिल्ली जीटी रोड की सर्विस लेन पर त्रिषि चेतन्य आश्रम मोड़ के पास एक युवक अवैध हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बताया गए हुलिये के युवक को घेराबंदी कर काबू कर लिया। उसकी पहचान करण पुत्र भूपेंद्र निवासी निलोटी मोड़, नांगलोई, दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी लेने पर आरोपित की जींस की दाहिनी जेब से एक अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम में मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

गन्नीर। अपराध जांच इकाई गन्नीर की टीम ने जीटी रोड पर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े एक युवक को अवैध देशी कट्टे सहित गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ एचएसआईआईडीसी बड़ी थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार अपराध जांच इकाई गन्नीर के मुख्य सिपाही जयभगवान अपनी टीम के साथ गांव बड़ी चौक फ्लाईओवर के नीचे गश्त और अपराध जांच कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पानीपत-दिल्ली जीटी रोड की सर्विस लेन पर त्रिषि चेतन्य आश्रम मोड़ के पास एक युवक अवैध हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बताया गए हुलिये के युवक को घेराबंदी कर काबू कर लिया। उसकी पहचान करण पुत्र भूपेंद्र निवासी निलोटी मोड़, नांगलोई, दिल्ली के रूप में हुई। तलाशी लेने पर आरोपित की जींस की दाहिनी जेब से एक अवैध देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम में मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी।

दिल्ली-अंबाला-पंजाब रेलमार्ग पर चल रहे कार्यों के चलते ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

यात्री घंटों स्टेशन पर करते रहे इंतजार

हरीभूमि न्यूज़ ►► सोनीपत

दिल्ली-अंबाला-पंजाब रेलमार्ग पर चल रहे तकनीकी कार्यों के चलते रेलवे को और से विभिन्न रेलखंडों पर लिए गए ब्लॉक का असर रविवार को ट्रेनों के परिचालन पड़ा। लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों सहित कई सवारी गाड़ियां अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से चली। सोनीपत रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनों के देरी से पहुंचने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों को घंटों तक रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करना पड़ा, जबकि कुछ यात्री बसों या निजी वाहनों का सहारा लेकर गंतव्य की ओर रवाना हुए। बता दें कि रेल परिचालन प्रभावित होने के चलते रविवार को लंबी दूरी की कई एक्सप्रेस ट्रेनें व सवारी गाड़ियां अपने निर्धारित समय से

जयपाल राठी किसी काम से गन्नीर जा रहे थे, करीब दो साल पहले एफओ के पद से रिटायर हुए थे

हरीभूमि न्यूज़ ►► गन्नीर

बारिश के पानी के छींटे पड़ने को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने सेवानिवृत्त वन अधिकारी के सिर पर पत्थर मारकर उनकी हत्या कर दी। वारदात रविवार शाम अगवानपुर रोड पर हुई। मृतक कार से गन्नीर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार से सड़क पर टहल रहे युवक को बारिश के पानी के छींटे लग गए। इसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि युवक ने पत्थर उठाकर उनके सिर पर वार कर दिया। राहगीरों ने आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मृतक की पहचान गांव भोगीपुर निवासी जयपाल राठी के रूप में हुई है। वह करीब दो साल पहले एफओ के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद वह गन्नीर-पांची रोड पर राठी फार्म हाउस और

नर्सरी चला रहे थे। वह दो बेटों के पिता थे। गन्नीर थाना प्रभारी बीरसिंह ने बताया कि अगवानपुर रोड निवासी रवि सड़क पर टहल रहा था। बारिश के

कार से पानी के छींटे लगने पर रिटायर्ड वन अधिकारी की हत्या युवक ने सिर पर पत्थर मारा, भागते आरोपी को राहगीरों ने पकड़ा



गन्नीर। वारदात की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम व ग्रामीण।



गन्नीर। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे ग्रामीण।

नर्सरी चला रहे थे। वह दो बेटों के पिता थे। गन्नीर थाना प्रभारी बीरसिंह ने बताया कि अगवानपुर रोड निवासी रवि सड़क पर टहल रहा था। बारिश के

आरोप है कि रवि ने पत्थर उठाकर जयपाल के सिर पर वार कर दिया। राहगीरों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन उनकी मौत हो गई।

हड़ताल के बीच रातभर चला सफाई अभियान, 300 टन कूड़ा उठाया

पुलिस बल की मौजूदगी में निगम की टीमों ने 30 से ज्यादा डंपिंग प्वाइंट साफ किए

निगम ने जन्माष्टनी से पहले भी उठाया था 500 टन से ज्यादा कूड़ा

हरीभूमि न्यूज़ ►► सोनीपत

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण करीब एक माह से कूड़े के ढेरों से जूझ रहे सोनीपत शहर में नगर निगम ने शनिवार रात दोबारा विशेष सफाई अभियान चलाया। पुलिस बल की मौजूदगी में निगम की तीन टीमों ने बुलडोजर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से रातभर में शहर के विभिन्न हिस्सों से 300 टन से ज्यादा कूड़ा उठाया। कूड़े को ट्रॉलियों में भरकर मुखल स्थित कूड़े से बिजली बनाने वाले संयंत्र के डंपिंग प्वाइंट पर पहुंचाया गया। अभियान के बाद कई क्षेत्रों में कूड़े के ढेर हटने से लोगों को राहत मिली। निगम की टीमों ने शनिवार रात करीब 9 बजे अभियान शुरू किया और सुबह 5 बजे तक कूड़ा उठान का काम जारी रहा। तीन टीमों को अलग-अलग क्षेत्रों में लगाया गया था। एक टीम ने वार्ड-5 में बाबा धाम के पीछे, दूसरी ने सेक्टर-23 और तीसरी ने राठधना रोड स्थित डंपिंग प्वाइंट से कूड़ा उठाना शुरू किया।



सोनीपत। वार्ड-5 में बुलडोजर व ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से कूड़ा उठाती नगर निगम की टीम।

एक माह से कूड़े के ढेरों से लोग परेशान

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शहर की सड़कों, गलियों और सामुदायिक क्षेत्रों में करीब एक माह से कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। कूड़ा जमा होने से बदबू के साथ मच्छर-मक्खियां पनपने और मलेरिया, डेंगू व अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ने की आशंका बनी हुई है। बार दिन पहले कुछ शहरवासियों और दुकानदारों ने भी अपने स्तर पर सफाई की कमान संभाली थी।

शहर में यहां-यहां चला अभियान

अभियान के दौरान कबीर भवन, मुखल रोड, दिल्ली रोड, रेन बसेरा, कपड़ा मार्केट, शनि मंदिर, मॉडल टाउन, लहराड़ा और नई अनाज मंडी समेत 30 से ज्यादा डंपिंग प्वाइंट साफ करवाए गए। नगर निगम की ओर से जन्माष्टमी से एक दिन पहले भी शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया था। उस दौरान 500 टन से ज्यादा कूड़े का उठान करवाया गया था। निगम अधिकारियों ने शहर में सफाई व्यवस्था बिगड़ने और कूड़े के कारण बीमारी फैलने की आशंका को देखते हुए विशेष अभियान लगातार जारी रखने का निर्णय लिया है।

घर में घुसकर युवक व उसकी मां से मारपीट, छह के खिलाफ मामला दर्ज

खरखौदा। थाना क्षेत्र के गांव रिदाऊ में घर में घुसकर युवक और उसकी मां के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रिदाऊ निवासी दिलबाग सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात को वह अपनी मां मामकीर के साथ घर पर मौजूद थे। इसी दौरान हवा सिंह, उसकी पत्नी गौता, बेटा विनय, सत्यवान, उसकी

पत्नी संगीता और कृष्णा हाथों में डंडे-लाठी लेकर उसके घर पहुंचे। घर का दरवाजा खोलते ही सभी घर के अंदर घुस गए और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर दोनों को छुड़ाया। मारपीट में घायल दिलबाग और उसकी मां का उपचार खरखौदा के सरकारी अस्पताल में कराया गया। बाद में दिलबाग और उसकी मां को पीजीआई रोहतक रेफर किया गया।

कंवली से लापता व्यक्ति बरामद, परिजनों का खाते से 30 लाख रुपये ट्रांसफर का आरोप

हरीभूमि न्यूज़ ►► खरखौदा

कंवली से 26 अगस्त को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए 46 वर्षीय सतनारायण को सीआईए और खरखौदा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सोनीपत क्षेत्र से बरामद कर लिया गया। परिजनों ने उसके बैंक खाते से 30 लाख रुपये ट्रांसफर किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार सतनारायण को गांव झरोठी निवासी कुलदीप कथित तौर पर पैसे देने की बात कहकर अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गया था। इसके बाद से परिजन उससे संपर्क नहीं कर पा रहे थे। सतनारायण के भाई प्रवीण कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि उसके भाई के बैंक खाते से 30 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। इसके बाद परिजनों को आशंका थी कि पैसें के लालच में उसके साथ कोई अनहोनी हो सकती है। पुलिस कार्रवाई के बाद सतनारायण के सकुशल बरामद होने पर परिजनों ने राहत की सांस ली।

बेटे की शिकायत पर हत्या का केस

मृतक के बेटे मंजीत की शिकायत पर गन्नीर पुलिस ने रवि के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शव को अस्पताल में रखवाया है। थाना प्रमारी के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। वारदात के बाद आरोपी रवि मौके से भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन वहां मौजूद राहगीरों ने उसे पकड़ लिया। लोगों ने पुलिस को सूचना देकर आरोपी को उसके हवाले कर दिया। पुलिस आरोपी को थाने ले गई और उससे पूछताछ शुरू कर दी।

गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद चौथे दिन प्रमोद का अंतिम संस्कार

बदमाशों ने जिम के बाहर कर दी थी हत्या

सोनीपत। प्रमोद के घर पर लगी लोगों की भीड़।

पुलिस का आरोपियों की पहचान का दावा

पुलिस के अनुसार वारदात में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दक्षिण दिा जा रही है। मामले की जांच में सोनीपत पुलिस भी सहयोग कर रही है। वहीं, ग्रामीणों ने गहरी निवासी फाइनंस्स एच प्रॉपर्टी डीलर श्रुपेंद्र उर्फ बिन्नी हत्याकांड की जांच तेज करने की मांग भी उठाई। श्रुपेंद्र की एक जनवरी को लामपुर गांव में हत्या हुई थी। इस मामले में भी गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है।

बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। करीब 15 गोलियां लगने से प्रमोद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पवन वहां से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा।

महिला की बालियां तोड़कर युवक फरार

गन्नीर। पटेल नगर में किराना दुकान पर सामान लेने पहुंचे युवक ने बुजुर्ग महिला को बातों में उलझाकर उसके कानों से सोने की बालियां चोरी कर लीं। पटेल नगर की गली नंबर पांच निवासी 66 वर्षीय वेदकुमारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह परिवार के साथ रहती हैं और पटेल नगर में किराना की दुकान चलाती हैं। वह अधिकतर समय दुकान पर ही बैठती हैं। कुछ दिन पहले वह दुकान पर बैठी हुई थीं। इसी दौरान एक युवक सामान लेने के लिए

दुकान पर आया और उसने पीछे रखी स्नैक लाइट नमकीन मांगी। वेदकुमारी के अनुसार, वह युवक को सामान देने के लिए दुकान के पीछे गईं। इसी दौरान युवक ने मौका पाकर उनके दोनों कानों से सोने की बालियां निकाल लीं और वहां से चला गया। बाद में उन्हें बालियां चोरी होने का पता चला। महिला ने बताया कि बालियां का वजन करीब आधा तोला था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

26 अगस्त से लापता था सतनारायण, सीआईए और खरखौदा पुलिस ने सोनीपत क्षेत्र से बरामद किया, आरोपी फरार



एक आरोपी पर साढ़े आठ लाख रुपये पहले लेने का आरोप

परिजनों का आरोप है कि मामले में शामिल लोगों में से एक आरोपी पहले भी सतनारायण से करीब साढ़े आठ लाख रुपये ले चुका है। अब परिवार ने पुलिस प्रशासन से खाते से ट्रांसफर किए गए 30 लाख रुपये वापस दिलाने और पहले से बकाया साढ़े आठ लाख रुपये की राशि दिलाने की मांग की है। साथ ही आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सतनारायण को परिजनों से मिलवाए जाने का फोटो भी उपलब्ध कराया गया है।



कहानी

अशोक जैन

अनबूझा प्रश्न 'स्व' और 'सवि'

सवि और स्व - दो नाम मेरे लिए परिचित हैं। इनकी कहानी को कितनी ही बार कागजों पर उतारना चाहा, हर बार कुछ पृष्ठ काले करके अधूरी ही छोड़ दी। 'स्व' के आंसुओं में भीगी और 'सवि' की मधुर खिलखिलाहट में डूबी इस व्यथा कथा को आज लिखने की कोशिश कर रहा हूँ।

मेरे सामने अभी भी दोनों के पत्र खुले पड़े हैं। हवा के एक झोंके ने उन्हें सर से उड़ा दिया। 'सवि' का पत्र छिटक कर दूर जा गया। 'स्व' का पत्र अभी भी वहीं पड़ा है --मुस्कुरा दिया मैं - स्व और सवि और विधि का व्यंया। बहुत चाहा दोनों को मिलाना- लेकिन दोनों चली गई स्नेह की छाया और आँखों में शिकायत लिए। बचपन में मैंने फूल के दो पौधे लगाए थे। दोनों पास ही खड़ी थी। मैंने सरल भाव से पौधों को इंगित करते हुए कहा था- यह स्व और वह सवि। हंस दी थी दोनों। वसंत आया, फूल के दोनों पौधे बढ़ते गए और फिर पतझड़ के क्रूर शिकंजे ने अपना जौहर दिखा दिया। सवि के पौधे पर कलियां खिलीं पर स्व के पौधे पर कभी बहार न आई और न ही फूल खिले। मुझे चोट पहुंचती। मैं विचलित हो उठता और खाली समय में दोनों पौधों को सींचता, सहलाता पर स्व के उदास पौधे को जिला नहीं सका। दिन गुजरते गए - दोनों के स्वभाव में काफी अंतर था। एक शांत और गंभीर, दूसरी चंचल पर मुझे दोनों प्रिय थीं।

स्व' मेरे खामोश जीवन का सहारा थी, मेरी गंभीर प्रवृत्ति और मेरे लेखन की प्रेरणा। 'सवि' मेरे जीवन का लावण्य, मेरी मुस्कुराहट। दोनों को मुझसे प्रेम था पर उनके स्नेह में भी अंतर था। 'स्व' के स्नेह में शीतलता और 'सवि' तो थी ही उष्णता। मैं अनुजाने में ही शायद 'स्व' की ओर अधिक ध्यान दिया करता। मुझे मालूम था कि उसे सहारा चाहिए, किसी के स्नेह का आवरण चाहिए। नहीं तो वह मिट जाएगी। और फिर वह इस बात से भी अनभिज्ञ नहीं थी कि मैं उसका भाई नहीं हूँ। यही कारण था कि शायद अनजाने में ही मौसी की उस अनाथ लड़की के प्रति मुझे अपार स्नेह हो गया था। 'सवि' अपनी मृगमयनी आंखों में आंसू भर कर कहती- 'भैया। तुम स्व को मुझसे अधिक चाहते हो।' मैं डांट देता। और सवि रोती हुई मां के पास चली जाती। मां के डांटने से पहले ही हम दोनों रफूचक्कर हो जाते थे। दिन- माह - वर्ष आए और चले गए। 'स्व' को कला से प्रेम था और 'सवि' को संगीत से। 'सवि' ने संगीत में एम ए किया और 'स्व' ने आर्ट में पंचवर्षीय कोर्स। मैंने एमबीबीएस किया और डाक्टर बन गया। 'स्व' की प्रेरणा का ही परिणाम था यह। हमेशा कहा करती थी 'आप डाक्टर बनो। कितनी प्रसन्नता होगी मुझे जिस दिन सैकड़ों पीड़ितों के प्राण बचा सकोगे।' मैं तब गर्व से कहूंगी - ये मेरे भैया हैं।' मैं हंस देता। स्नेह से उसके बालों



सवि ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - ‘भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! स्व जो है’। स्व और सवि के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। स्व के बिना सवि की हंसी हंसी नहीं लगती और सवि के बिना स्व की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

को थपकी देकर कहता- जा सो जा। या रातभर भैया के सिरहाने बैठी रहेंगी। 'ऐसा मेरा सौभाग्य कहां!' 'स्व' मुस्कुराने का असफल प्रयास करती। उस मुसकुराहट में विषाद की रेखा होती। इसके कारण से मैं अनभिज्ञ नहीं था। बचपन में ही 'स्व' के माता पिता की कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और मां अपनी बहन की उस बच्ची को अपने पास ले आई थी। परन्तु 'व' जैसे जैसे बड़ी होती गई, मां उससे खिंचती चली गई। 'सवि' का बचपना करना सभी को अखरता। मासूम 'स्व' पर उसका गुस्सा उतरता। मैं कुछ भी करने का साहस नहीं जुटा पाता। मां के व्यंग बाण और सवि

की खिलखिलाहट उसे वेदना पहुंचाते। जब कभी भी अत्यंत दुखी हो जाती तो मेरे कमरे में आकर रोने लगती। मैं उसे सांत्वना देता।

'मेरी नन्हीं दीदी, रोती क्यों है?' वह रोती रहती। फिर सिसकियां धीरे-धीरे कम होने लगती। 'स्व' मां के साथ पर का सारा काम काज करवाती पर इसका श्रेय उसे कभी नहीं मिलता। एक दिन उसे बुखार था। काम नहीं कर पाई तो मां ने आंगन में खड़े हो कर कहा था- 'तो क्या मेरी फूल सी' सवि' काम करें।' 'मां' मैं चौख उठा था। 'यह कैसा अन्याय है। कुछ तो सोचो। वो भी तुम्हारी बेटी की तरह है।'

‘बेटी तो नहीं है न!’ मां ने और ऊंचे स्वर में कहा था। कुछ वर्ष और-- 'स्व' ने 21 वां और 'सवि' ने 20वां वर्ष पूरा किया। मां को 'सवि' के विवाह की चिंता हुई तब धीरे से मैंने कहा था 'मां। स्व बड़ी है। पहले उसकी शादी तो होने दो।' मां नाराज हो गई थी र सारा दिन 'स्व'-- 'स्व' ! जाने क्या जादू कर दिया है इस लड़की ने? 'पर जब मां शांत हुई उन्होंने मुझे बुलाकर कहा-'शरद। श्रीमती केशव का पत्र आया है। लिखा है कि उसका भाई रमन इंजीनियरिंग करके लौटा है। अपनी 'सवि' को देखने आ रहे हैंरमैंने सब सुना समझा। 'ह रहकर' स्व' की आंखों में तैरता एक अनबूझा प्रश्नचिह्न मुझे व्यथित करने लगाता- भैया मेरा अपराध क्या है!! कुछ दिन बाद मां के कहने पर मैं श्रीमती केशव और रमन को लेने स्टेशन गया था। लौटने पर जब काल बैल के बजने पर 'स्व' को द्वार पर खड़े पाया तो चौंक गया। मां की सख्त हिदायत के बावजूद 'स्व' यहां कैसे! फिर ख्याल आया कि हम समय से पहले आ गये थे।

मैं रमन की ओर मुड़ा। सुन्दर चेहरे पर प्रशंसनीय भाव थे। 'स्व' को जब वस्तुस्थिति का भान हुआ तो संकोच से आंखें नीची कर के भाग गई। मिसजे केशव ने पूछा 'यही।' 'जी हां। यही मेरी बहन है --'बहुत बड़े सत्य को झुठला दिया था मैंने। तभी मां का तमतमाया चेहरा मेरे जहन में उभरा। मां को जब सत्य का पता चला तो मेरे सामने ही हाथ से कांच की प्लेट जमीन पर दे मारी। कांच का एक टुकड़ा छिटक कर मेरे माथे पर आ लगा। घाव तो समय रहते भर गया पर निशान आज भी मौजूद है। 'सवि' को देखकर भी रमन ने 'स्व' को पसंद किया। मां 'स्व' और रमन की शादी में सम्मिलित नहीं हुई। 'स्व' की विदाई के समय रमन के कंधे पर हाथ रखकर मैंने कहा था -'रमन बाबू! 'स्व' मेरी बहन से बढ़कर है, उसे ...'

रमन मुस्कुरा दिया-'आपके स्नेह की थाह उसी दिन देख ली थी जब द्वार पर खड़ी 'स्व' को आपने अपनी बहन कहा था।' कुछ माह पश्चात 'सवि' भी चली गई। मां बहुत चाहने पर भी मुझसे नाराज नहीं रह पाई। आज सोचता हूं मैंने वही किया जो मेरा कर्तव्य था। 'सवि' ने आज भी पत्र में वही उलाहना दिया है - 'भैया। मेरी परवाह क्यों करने लगे आप! 'स्व' जो है।'

'स्व' और 'सवि' के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन एक भाई की अपनी बहन के लिए तमन्ना यही होती है कि वह खुश रहे। लेकिन आज भी वह प्रश्न अनबूझा ही है कि दोनों में मुझे कौन अधिक प्रिय है। 'स्व' के बिना 'सवि' की हंसी हंसी नहीं लगती और 'सवि' के बिना 'स्व' की सिसकियों में दुख का आभास नहीं होता।

कवि कॉर्नर

गजल आशा खत्री लता



नकली जिनकी मुस्कानें हैं

नकली जिनकी मुस्कानें हैं उनके वर्क उतर जाने हैं।

दीप दिखाये जो सूरज को उनके सच भी खुल जाने हैं।

गीत गजल औ कथा कहानी सभी पीर की संतानें हैं।

पीड़ा व्यथा दर्द जख्म सब आँसू में ही ढल जाने हैं।

जिनसे गीत उपजता मगरुह वो दिल कितने वीराने हैं।

रोज नयी पीड़ा है दिल में रोज नये ही अफसाने हैं।

कविता जय प्रकाश पंडेय



सुख का साम्राज्य

कभी चलती है मस्त मलय गुनगुनाती मुस्कुराती उपवन के एक कोने से दूसरे कोने तक झूमती है डालें खिलते है फूल चहचहाते पक्षी उछलते कुदते जीव जंतु सुख का साम्राज्य कभी रुक जाती वही हवा बेरुखी बदहाल सबका बुरा हाल अस्त व्यस्त सब क्या ही करे अब बेहाल परेशान गुरुझो फूल फांफरे पड़े धूल सब रुक गया सा कुछ लुट गया सा सब कुछ तो वही है पवन ही न बही है चले दूंदते है पवन में उसको उसको पवन में सुकुण वह पहले भी न था अब भी गायब है सब अहसासों में ।।

सोशल मीडिया में गालियों का सुपर मार्केट



व्यंग्य

रेखा शाह आरबी

सच बता रहे हैं चतुरी जी गाली अक्षर का 'ग' भी नहीं जानते थे। वह उतने ही भोले-भाले थे जितना किसी कविता में एक नवजात शिशु रहता है। जो अल्ले-ले-ले की भाषा के अलावा कुछ समझता ही नहीं है। वह तो किसी वेद, पुराण, भाषा विज्ञान को नहीं समझता है। फिर गालियों की तो बात ही क्या करनी है। चतुरी जी तो ऐसे थे कि यदि कोई कभी-कभार उनके जानने वाला गाली दे दे, तो वह चार लोगों से उसका अर्थ भावार्थ पूछते हुए चलते थे। तब जाकर उनकी समझ में आता था कि आखिर उस व्यक्ति ने उन्हें कहा क्या है। यह दुनिया तो लोगड़ी के जैसे है। पर चतुरी जी मासूम पांडा जैसे जीव थे। ऐसे जिसे उसी का मन मासूमियत से मोह ले।

उनकी मासूमियत तो म्युजियम में रखने लायक चीज थी अर्थात बहुत कोमती - दुर्लभ थी। पर हाय रे यह दुनिया और हाय रे दुनिया वाले, अनमोल चीजों की कवर करना जानते ही नहीं है। रोज उनकी मासूमियत को नीलाम करना चाहते हैं। उनकी भी अपने के जैसे रंग में ढालने का इंतजाम कर लिए। अब बताते हैं कि कैसे करना चाहते हैं। चतुरी जी ने दुनिया से जो सीखा, वह तो खैर सीखा ही, लेकिन इतना नहीं सीखा, जितना सोशल मीडिया ने उनको सिखा दिया। और उतना सीखना भी नहीं चाहिए था। एक दिन सोशल मीडिया पर अपना अकाउंट बना लिया। मजे के लिए बनाया

देश की सारी मिसाइल में उतनी आग नहीं रहती है, जितनी उनकी गालियों में रहती है। सुनने वाला सुनकर ही मर जाए। मुंह से जहर ऐसे निकलते हैं जैसे अमृत निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुरसत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

गया अकाउंट एक तरह से उनके कोचिंग क्लास में ही बदल गया। इसके सिलेबस एकदम फिक्स थे। टीचर हद दर्जे के काइयां थे। पर पूरे अव्वल दर्जे के अपने विषय के ज्ञाता थे। मजाल कि कोई उनसे जीत जाये। अब चतुरी जी कोई भगवान थोड़े ना थे। वह भी इंसान थे, उनके अंदर भी जज्बात और भावनाएं थी, तो उनके ऊपर भी प्रभाव पड़ना लाजमी था। वह कहा जाता है 'जेसी संगति वैसे विचार' हो जाते हैं, सही ही कहा गया है।

अब तो आप सब जानते ही हैं। सोशल मीडिया में रोज किसी न किसी के बीच में

निकालते हैं। कुछ लोग तो इस कुक्कुर झौंवा के परमानेंट सदस्य होते हैं। जो रोज पहली फुरसत से पंचायत लगाते हैं। उसके बाद उस पर कुक्कुर झौंवा करने सोशल मीडिया पर बैठते हैं।

कुछ लोग टैंपरेरी होते हैं। जब खाली समय रहता तो देखने के लिए चले आते हैं और कुछ दर्शक भी होते तो चतुरी जी भी दर्शक हैं। वह कहावत तो आपने सुनी ही होगी कि देखते देखते इंसान मूर्ख से होशियार बन जाता है। वैसे ही चतुरी जी इस कुक्कुर झौंवा के बीच में गालियां सुनते-सुनते गालियों के एक्सपर्ट बन चुके हैं। अपना सोशल मीडिया तो गालियों का सुपर मार्केट है।

आपकी किस किस्म की गाली चाहिए, बस आपकी डिमांड के अनुसार यहां पर सभी गालियां चलती हैं। एकदम नए-नए बांड की गालियां सोशल मीडिया पर ही सुजन पाती हैं। पुरानी से लेकर नई सभी गालियां यहां पर आपको थोक के भाव में मिलती हैं। चतुरी जी तो पक्के हो गए हैं। जिसकी भी गाली नहीं आती है, वह इस सुपर मार्केट में आकर अपने मनपसंद की गाली लेकर खरीदना भी नहीं है। वैसे ही मुफ्त में सीख सकते हैं। यही इस मार्केट की सबसे बड़ी खूबी है।

लघु कथा

कुशल प्रबंधन

सीमा और नेहा अपनी-अपनी बालकनी में खड़ी होकर बातें कर रही थीं। तभी सीमा की नजर गली से गुजरती गृहकार्य सहायिका गीता पर पड़ी। वह सीमा और नेहा के अतिरिक्त अड़ोस पड़ोस के कुछ ओर भी घरों में काम करती थी। सीमा ने उसकी पहनी हुई साड़ी की तरफ इशारा करते हुए नेहा से कहा 'यह साड़ी तुम्हारी है ना ?' हां, मैंने इसे पांच-सात बार पहन लिया था। वैसे अच्छी साड़ी है, इसके खूब चलेगो।' नेहा ने कहा। 'यह सबकी दी हुई साड़ियां तो पहन लेती है पर पता नहीं मेरी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती जबकि मैं इसे हमेशा नई साड़ी ही देती हूँ।' सीमा ने मायूसी भरे स्वर में कहा, 'मैंने कई बार टोका भी पर यह कहती है कि मेरी साड़ियां नई होती हैं इसलिए आने-जाने में पहनती है काम में नहीं, पर कभी तो मेरे सामने भी पहनकर आए।' नेहा थोड़ी देर किसी सोच में डूब गई, जैसे सोच रही हो कि कहे या नहीं। आखिर उसने कहना शुरू किया, 'इसका तो मुझे पता नहीं पर इससे पहले मैं जहां रहती थी वहां पाप ही के खाली प्लांट में एक मजदूर परिवार रहता था। मैं उन लोगों को एकदम नए कपड़े, नए बर्तन, कंबल आदि देती रहती थी लेकिन मैंने उनको अपने लिए सामान का कभी इस्तेमाल करते हुए नहीं देखा। मैंने ज्यादा गौर भी नहीं किया।'

'एक बार मैं रिकशा से कहीं जा रही थी, तब मैंने उस मजदूर महिला को एक दिन पहले मेरा दिया हुआ कंबल एक ठेले वाले को बेचते देखा। तब मुझे समझ में आया कि ये लोग नया सामान इस्तेमाल न करके बेच देते हैं। इसके बाद मैंने सोच लिया कि अब से मैं अपने द्वारा उपयोग में लाने के बाद ही सामान दिया करूंगी ताकि ये उसे बेचने के बजाय खुद इस्तेमाल करें। इसलिए मैं गीता को एकदम नई साड़ी नहीं देती।' सीमा ने भी सोच लिया था कि वह कल गीता से इस बारे में बात करेगी। अगले दिन जब गीता आई तो सीमा ने साफ-साफ शब्दों में पूछ लिया कि क्या वह उसकी दी हुई साड़ियां बाजार में बेच देती है?

गीता इस अप्रत्याशित प्रश्न से एकदम सकपका गई। 'क्या कह रही हो दीदी, मैं ऐसा क्यों करूंगी ? आप जानना चाहती हैं ना कि मैं आपकी दी हुई साड़ियां क्यों नहीं पहनती। दरअसल बात यह है कि मेरी दो ननंदें और एक छोटी बहन हैं। मुझे उन लोगों को भी उपहार स्वरूप साड़ियां देनी होती हैं इसलिए मैं खुद को मिलने वाली सभी नई साड़ियां रख लेती हूँ और वे जब भी मेरे पास मिलने आती हैं तो उन्हें भेंट स्वरूप वही साड़ियां दे देती हूँ।' मेरे पहनने के लिए तो मुझे पुरानी साड़ियां मिल ही जाती हैं। अब मैं नई साड़ी पहनूँ और फिर उनके लिए बाजार से खरीद कर लाऊँ तो मेरा बजट बिगड़ जाएगा ना।'

गीता के इस जवाब ने सीमा के सारे संशय धो डाले। सीमा ने गीता के कुशल गृह प्रबंधन के साथ रिश्तेदारी निमाने के तरीके की सराहना की। अब उसे गीता से कोई शिकायत नहीं थी।



हृदिभूमि

रोहतक, सोमवार, 7 सितंबर 2026

10

पुस्तक समीक्षा

बहुआयामी व्यक्तित्व का शब्द

चित्र है 'सृजन के शिखर'



समीक्षक

डा. मधुकान्त

डॉ. चंद्र त्रिखा के जीवन और व्यक्तित्व पर आधारित कृति 'सृजन के शिखर' केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व का शब्द-चित्र है जिसने साहित्य, पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। माधव कौशिक और सुमेधा कटारिया द्वारा संपादित यह ग्रंथ डॉ. त्रिखा के प्रति विभिन्न लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और उनके करीबियों के श्रद्धा-सुमन का संकलन है। पुस्तक की शुरुआत डॉ. त्रिखा के सेवानिवृत्त स्वरूप से होती है। जस्टिस अमरजोत भट्टी के शब्दों में, डॉ. त्रिखा ने मानवता को केन्द्र में रखकर सेवा को अपना धर्म बनाया है। वह न केवल एक प्रखर होम्सोपैथिक चिकित्सक हैं, बल्कि करुणा और संवेदनशीलता के जीवंत प्रतीक भी हैं। त्रिखा



मैडिकल मिशन के माध्यम से उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों के लिए जो कार्य किए हैं, वे आज के समय में अनुकरणीय हैं। डॉ. त्रिखा का स्वभाव ऐसा है कि वे पहली ही मुलाकात में किसी को भी अपना बना लेते हैं। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनका योगदान, विशेष रूप से हरियाणा साहित्य अकादमी के माध्यम से किए गए नवाचारी कार्य, उन्हें एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करते हैं। पुस्तक की विषय-सूची ही इसकी व्यापकता की गवाही देती है। इसमें डॉ. सुमन सेनी, डॉ. मोहित गुप्ता, डॉ. पवन कुमार शर्मा और उमा शर्मा जैसे अनेक लेखकों के लेख संकलित हैं, जो डॉ. त्रिखा के जीवन के विभिन्न पड़ावों, अविरोध की मिट्टी से जुड़ाव, चंडीगढ़ में उनकी सक्रियता और दिल्ली के साहित्यिक गलियारों में उनकी उपस्थिति- पर प्रकाश डालते हैं। प्रत्येक लेखक ने उन्हें अलग-अलग उपमाओं से नवाजा है, जैसे अगाध ज्ञान की रोशनी गुफा, सृजनशील संत, और असाधारण व्यक्तित्व। पुस्तक के पिछले आवरण पर दिए गए उद्धरण इस कृति के सार को और स्पष्ट करते हैं। निष्कर्षतः 'सृजन के शिखर' डॉ. चंद्र त्रिखा के विराट व्यक्तित्व को समझने का एक सशक्त माध्यम है। यह पुस्तक दर्शाती है कि कैसे एक व्यक्ति अपने भीतर एक चिकित्सक, संपादक, कवि, प्रशासक और सबसे महत्वपूर्ण एक नेक इंसान को एक साथ जीवित रख सकता है। यह कृति पाठकों को सेवा, करुणा और निरंतर कर्मठता की प्रेरणा देती है। यह केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं है, बल्कि मानवता के प्रति अटूट विश्वास की एक जीवंत गाथा है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक का कार्य करेगी।

कुछ हटकर

एआई से घबराएं नहीं करियर में बनाएं ताकत

सेंट्रल डेस्क

कहां से करें पढ़ाई

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल कंप्यूटर की दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है। पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, चिकित्सा, कृषि, मीडिया और कारोबार तक इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों के सामने करियर को लेकर एक नया सवाल खड़ा हो गया है कि एआई के दौर में किस क्षेत्र को चुना जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक हर छात्र के लिए एआई इंजीनियर बनना जरूरी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि विद्यार्थी अपने पर्सनल क्षेत्र की विशेषज्ञता के साथ एआई का इस्तेमाल करना सीखें। आने वाले समय में तकनीकों की समझ रखने वाले डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार, कृषि विशेषज्ञ और वित्त विशेषज्ञों के लिए भी नए अवसर पैदा हो सकते हैं। ऐसे में 10वीं और 12वीं के बाद विषय चुनने से लेकर उच्च शिक्षा और नौकरी तक विद्यार्थियों को बदलती जरूरतों को

- एनआईईएलआईटी : एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और कंप्यूटर से जुड़े पाठ्यक्रम।
- स्वयं-एनपीटीईएल : आईआईटी और अन्य संस्थानों के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- आईआईटी के एआई और डेटा साइंस : बायोटेक, एमटेक और शोध के लिए बेहतर विकल्प।
- विश्वविद्यालय और निजी संस्थान : एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस में स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रम : कॉलेज की पढ़ाई के साथ एआई के छोटे प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं।

ध्यान में रखना होगा। सही पाठ्यक्रम, जरूरी कौशल और व्यावहारिक अनुभव के साथ एआई को करियर की चुनौती नहीं, बल्कि नई संभावना बनाया जा सकता है।



कौन-सा रास्ता चुनें

- गणित और कंप्यूटर में रुचि : बायोटेक कंप्यूटर साइंस/एआई-एमएल
- आकड़ों में रुचि : डेटा साइंस/सांख्यिकी
- कृषि में रुचि : कृषि की पढ़ाई/एआई व डेटा कौशल
- मीडिया पसंद है : पत्रकारिता व एआई व डेटा विश्लेषण

प्रमुख करियर विकल्प

- एआई एवं मशीन लर्निंग : एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग इंजीनियर, एआई शोधकर्ता
- डेटा साइंस : डेटा वैज्ञानिक, डेटा विश्लेषक, बिजनेस विश्लेषक
- साइबर सुरक्षा : साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, सुरक्षा विश्लेषक-रोबोटिक्स : रोबोटिक्स इंजीनियर, स्वचालन विशेषज्ञ
- स्वास्थ्य तकनीक : चिकित्सा आंकड़ा विश्लेषण, स्वास्थ्य तकनीक
- कृषि तकनीक : फसल, मौसम और मिट्टी के आंकड़ों का विश्लेषण
- बैंकिंग एवं वित्त : जोखिम विश्लेषण, धोखाधड़ी पहचान, वित्तीय आंकड़ा विश्लेषण

शुरुआती वेतन कितना

- एआई/मशीन लर्निंग : लगभग 5-12 लाख रुपये सालाना
 - डेटा साइंस : लगभग 4-10 लाख रुपये सालाना
 - साइबर सुरक्षा : लगभग 4-8 लाख रुपये सालाना
 - बैंकिंग/वित्त : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना
 - स्वास्थ्य तकनीक : लगभग 4-9 लाख रुपये सालाना-कृषि तकनीक : लगभग 3.5-8 लाख रुपये सालाना
 - मीडिया/डिजिटल क्षेत्र : लगभग 3-7 लाख रुपये सालाना
- नोट : वेतन कंपनी, शहर, संस्थान, कौशल और अनुभव के अनुसार काफी अलग हो सकता है।

खबर संक्षेप



गोहाना। शिक्षकों को तिलक लगाकर सम्मान प्रकट करते हुए छात्राएं।

शिष्यों ने गुरुजनों का तिलक लगाकर किया सम्मान

गोहाना। राजकीय महिला महाविद्यालय, गोहाना में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में छात्राओं ने अपने गुरुजनों को तिलक लगाकर और कलाई पर कलावा बांधकर सम्मान प्रकट किया। मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी सांगवान रहीं। प्राचार्या ने शिक्षकों की भूमिका, कर्तव्य एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनके सान्निध्य पर प्रकाश डालते हुए अनुशासन, परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संयोजन डॉ. वशिष्ठ का रहा। इस आयोजन में डॉ. जयंती, डॉ. शमशेर सिंह, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. चांद सिंह मोर, मंजू और अंशिका विशेष रूप से उपस्थित रहे।



गन्नौर। खरपतवार को समाप्त करने के लिए खरपतवार नाशक दवा का छिड़काव करते हुए। फोटो: हरिभूमि

समिति ने चलाया स्वच्छता और सुरक्षा अभियान

गन्नौर। गांव और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ, सुंदर बनाने के उद्देश्य से गांव की समिति द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। समिति ने सार्वजनिक स्थानों पर भारी मात्रा में उगी जंगली घास-फूस और खरपतवार को समाप्त करने के लिए खरपतवार नाशक दवा का छिड़काव कराया गया। अभियान के दौरान राजलू गद्दी रमशान घाट में विशेष सफाई अभियान चलाया गया और आसपास उगी जंगली घास पर दवा का छिड़काव किया गया। समिति अध्यक्ष अजीत ने कहा कि गांव के विकास, स्वच्छता के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाते रहेंगे। इसके अलावा राजलू गद्दी रेलवे स्टेशन से गांव तक मुख्य मार्ग, खेल स्टेडियम से गांव तक का रास्ता, राजकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर, आर्य समाज धर्मशाला, गांव के मुख्य जोड़ह के आसपास, छोटी गद्दी रमशान घाट, माता मंदिर क्षेत्र तथा माता मंदिर के समीप स्थित जोड़ह के आसपास भी दवा का छिड़काव किया गया।

32वें दिन भी जारी रही सफाई कर्मियों की हड़ताल

सोनीपत। हरियाणा नगरपालिका कर्मचारी संघ व अविशनमन विभाग कर्मचारी यूनियन की राज्यव्यापी हड़ताल रविवार को 32वें दिन भी जारी रही। इकाई प्रधान भारत कंडेरा की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया। मंच संचालन इकाई सचिव दीपक बोहोत ने किया। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान देशराज मेन ने भी कर्मचारियों को संबोधित किया। नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य वरिष्ठ उपप्रधान राजीव खत्री ने कहा कि 13 मई 2026 को सरकार के साथ हुए द्विपक्षीय समझौते में कर्मचारियों की कई मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन सरकार अब उनसे पीछे हट रही है। उन्होंने कहा कि 13 हजार सफाई कर्मचारियों और 1250 फायर कर्मचारियों को नियमित करने तथा ठेका प्रथा समाप्त करने तक आंदोलन जारी रहेगा। सरकार कर्मचारियों पर मुकदमे दर्ज कर, निलंबित या बर्खास्त कर और लाठीचार्ज कर आंदोलन को दबाव का प्रयास न करे। ठेका सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान प्रवीण और राहुल कुमार ने कहा कि जब सिविलिटि के नाम पर कर्मचारियों के साथ धोखा किया गया है। गुप डी के पदों पर सफाई कर्मचारियों को नियुक्ति नहीं की जा रही, जिससे उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। राजीव खत्री ने बताया कि समझौते में पे-रेल फायरमेन व चालकों को नियुक्ति करने, पिछले पांच वर्षों के वेतन वृद्धि एरियर, पांच हजार रुपये मासिक जोखिम भत्ता और 7500 रुपये वर्दी भत्ता सहित अन्य मांगों पर सहमति बनी थी। फरीदाबाद अविशनकांड में शहीद दमकल कर्मचारियों के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी मांगी गई थी।

कार्यक्रम

नशामुक्त अभियान के संयोजक ने भारतीय वैदिक परंपरा के साथ मनाया जन्मदिन

जन्मदिन आत्मचिंतन और अपने जीवन के उद्देश्य को स्मरण करने का दिन

हरिभूमि न्यूज ►►खरखोदा

नशा मुक्त अभियान के संयोजक आर्य मनीष दहि्या ने दिखावे से परे भारतीय वैदिक परंपरा और संस्कारों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्होंने अपने जीवन की समाज, राष्ट्र और धर्म की सेवा के लिए समर्पित रखने का संकल्प लिया। जन्म दिन के अवसर पर आयोजित यज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुति दी गई। आर्य मनीष दहि्या ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और अपने जीवन के उद्देश्य को पुनः स्मरण करने का दिन है। इसलिए उन्होंने अपने जन्मदिवस को भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपरा के अनुरूप मनाने का निर्णय



खरखोदा। धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ में आहुति देते आर्य मनीष दहि्या।

फोटो: हरिभूमि

श्रद्धालुओं ने भगवान कृष्ण के भजन सुनाकर माहौल को भक्तिमय बनाया

हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल श्रद्धालुओं ने मनाया नंद उत्सव

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति की ओर से रविवार को विभिन्न क्षेत्रों में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत भरतपुरी स्थित इस्कॉन प्रचार केंद्र से की गई। प्रभातफेरी पालीवाल धर्मशाला, ब्रह्म नगर होते हुए विशाल नगर पहुंची। हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी का मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया।

समिति की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। तत्पश्चात विशाल नगर स्थित बलवान के निवास पर नंद उत्सव का आयोजन किया गया। नंद उत्सव में रघु कुमार दास और सहदेव प्राण दास सहित श्रद्धालुओं ने भगवान कृष्ण के भजन सुनाकर माहौल को भक्तिमय बनाया। ईश्वर चंद्र गौड़ ने भगवान की जन्मेत्सव पर बधाई गीत सुनाया। रघु कुमार दास ने



सोनीपत। भरतपुरी में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

बताया कि भगवान कंस की जेल में जब कन्हैया बाल गोपाल के रूप में अवतरित हुए, तो सभी परहेदार सो गए थे। कारागार के फाटक अपने आप खुल गए थे, तब वासुदेव कंस के भय से भगवान बालगोपाल को टोकरी में लेकर गोकुल में नंद बाबा के घर छोड़कर आए थे।

नंद बाबा के घर उत्पन्न कन्या को लेकर वापस कारागार में माता देवकी के पास छोड़ दिया। इधर नंद

बाबा के घर पर बधाई देने वालों की भीड़ लग गई। सभी भक्तों को नंद बाबा ने उपहार देकर खुशियां मनाई। कार्यक्रम में कृष्ण कृपा दास, ब्रजनारद दास, शांत नरसिंह दास, कृष्ण कुमार गर्ग, भागवत तत्व दास, जयप्रकाश, श्याम सिंह रावत, सुप्रसाद हरिदास, शालिग्राम दास, अखिलेश्वर दास, युग धर्मदास सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।



सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुगण। फोटो: हरिभूमि

श्री राम परिवार ने किया हरिनाम संकीर्तन

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में श्री सनातन धर्म सभा, गीता भवन शहर, सोनीपत में सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन एवं रामकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भजन-कथन में भाग लेकर भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया। ओपी अरोड़ा ने श्रीमद्भगवत पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र में मथुरा के कारागार में हुआ था। कंस ने देवकी और वासुदेव को कारागार में बंद कर दिया था। आकाशवाणी के अनुसार देवकी के आठवें पुत्र द्वारा कंस के वध की भविष्यवाणी हुई थी। श्रीकृष्ण जन्म के बाद वासुदेव उन्हें टोकरी में रखकर गोकुल पहुंचे और यशोदा के पास सुला दिया। कार्यक्रम में पवन सहगल, शाम रहेजा, सूरज कांत, राकेश बहल, ललित बत्रा, महेश पांडे, सतीश, सुरेन्द्र छाबड़ा, अश्विनी, रामाकांत, मुकेश आनंद, मेहर चंद, दिनेश अरोड़ा, विजय, धीरज और भूषण उपस्थित रहे। आरती एवं अमृतमय प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वैदिक संस्कृति और श्रीकृष्ण के आदर्शों पर प्रकाश डाला

सोनीपत। आर्य समाज शान्ति नगर (चार मरला) सोनीपत में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व एवं वार्षिकोत्सव के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेरठ उत्तर प्रदेश से पहुंचे आर्य जगत के प्रसिद्ध मनीषी एवं वैदिक विद्वान आचार्य संजय याज्ञिक ने श्रीकृष्ण के जीवन और वैदिक धर्म-संस्कृति में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। आचार्य संजय याज्ञिक ने कहा कि श्रीकृष्ण वैदिक धर्म और संस्कृति के रक्षक, महान योद्धा, नीतिज्ञ एवं आदर्श महापुरुष थे। महर्षि दयानंद सरस्वती ने भी श्रीकृष्ण को आप्त पुरुष के सट्टा माना है। उन्होंने कहा कि धर्म और सत्य की रक्षा के लिए श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर प्रत्येक व्यक्ति को

आर्य समाज शान्ति नगर में मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

अपने जीवन को आदर्श बनाने का प्रयास करना चाहिए। गन्नौर से पहुंची आर्य भजनोंपदेशिका बहल संतोष आर्या रैनी ने भजनोंपदेश प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। आर्य समाज की प्रधान सुनीता अरोड़ा, सक्रिय सहयोगी मनोज चावला, मनोहर लाल बत्रा, कानिका रानी कवि ऋषिपाल बघाना, मनोहर लाल व सुदर्शन आर्य ने गीत एवं भजनों से सभी को लामाबित किया। कार्यक्रम में सोनीपत की विभिन्न आर्य समाजों के आर्यजन व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। आर्य केन्द्रीय सभा सोनीपत की प्रधान आचार्या दीक्षा जी ने सभी का धन्यवाद किया। आर्य समाज शान्ति नगर की पूरी कार्यकारिणी व सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

हाईकोर्ट से पुरानी पेंशन की ऐतिहासिक जीत, जंग अभी जारी : गीता राजपूत

■ 20 सितंबर के पेंशन संकल्प मार्च में एकजुटता का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ►►सोनीपत

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के हालिया ऐतिहासिक फैसले से वर्ष 2005 में आवेदन करने, 2006 में विज्ञापन दोबारा प्रकाशित होने और 2008 में नियुक्त हुए हरियाणा के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलने का रास्ता साफ हुआ है। फैसले की खुशी में शिक्षकों ने विद्यालय में केक काटकर खुशी मनाई। केक पर ‘नो टूपीएस, ओनली ओपीएस’ लिखा था।



सोनीपत। राजकीय विद्यालय में अन्य अध्यापकों एवं स्टाफ के साथ गीता राजपूत।

शिक्षकों ने पुरानी पेंशन के समर्थन में तख्तियां लेकर अपनी मांग दोहराई। शिक्षक नेत्री गीता राजपूत ने कहा कि ये शीत, धैर्य और एकजुट संघर्ष की जीत है। उन्होंने

कहा कि खुशी तब पूरी होगी, जब 2004 के बाद नियुक्त हर कर्मचारी को पुरानी पेंशन बहाल होगी। उन्होंने सभी कर्मचारियों से आंदोलन से जुड़ने का आह्वान किया।

शिवाजी के हत्यारोपियों को फांसी की सजा देने की मांग

■ विभिन्न सामाजिक संगठनों ने रविवार को शहर में मांग को लेकर किया जोरदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►► गोहाना

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के बिलासपुर गांव की बेटी शिवाजी विश्वकर्मा की हत्या के विरोध में रविवार को शहर में महम मार्ग स्थित भगवान विश्वकर्मा चौक पर विभिन्न सामाजिक संगठनों प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में शामिल सैकड़ों महिलाओं एवं पुरुषों ने मामले की निष्पक्ष जांच के साथ हत्या के आरोपितों को फांसी की सजा देने



गोहाना। हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते हुए विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि। फोटो: हरिभूमि

की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व बैकवर्ड नेता आजाद सिंह दांगी ने किया। अध्यक्षता विश्वकर्मा पांचाल धर्मशाला रोहतक के अध्यक्ष

बुजभान भंवरा ने की और मार्गदर्शन बैकवर्ड नेता जितेंद्र जांगड़ा का रहा। प्रदर्शनकारीयों ने अपने हाथों में शिवाजी विश्वकर्मा को न्याय दो,

वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

सोनीपत। वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति की ओर से रविवार को सेक्टर-15 कम्युनिटी सेंटर में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता समिति के प्रधान प्रेम रेलन ने की, जबकि मंच संचालन रवि कपूर ने किया। समाजसेवी प्रेमिला मलिक ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ सांस्कृतिक गायत्री मंत्र के उच्चारण और हनुमान चालीसा के पाठ से हुआ। इसके बाद वरिष्ठ नागरिक प्रांतपाल बाल्यणा, ओम प्रकाश गुंजाल, पुष्पलता, प्रेम रेलन सहित अन्य सदस्यों ने भक्ति गीत, कविताएं और श्लोक-शायरी प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। अगस्त व सितंबर में जन्मे 20 वरिष्ठ नागरिकों का जन्मदिन मिठाई खिलाकर मनाया गया और उन्हें पुष्पकुटन से हार्ड और देकर सम्मानित किया गया। समिति के सरपरस्त सीताराम भारद्वाज ने सभी वरिष्ठ नागरिकों का स्वागत एवं धन्यवाद किया। मुख्य अतिथि प्रेमिला मलिक ने भावनात्मक विचार रखे। सभा का समापन राष्ट्रीय गीत के उच्चारण से हुआ। इसके बाद सभी ने सांस्कृतिक भोजन किया। इस अवसर पर उषा भंडारी, रमेश अरोड़ा, किशन मिश्रा, टेक चंद त्रिवेदी, सतीश अरोड़ा, डॉ. आरबी सिंह, वेद प्रकाश शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।



हरियाली से सजेगा बरोदा-जिंद लंक मार्ग

गोहाना। पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र को हरामरा बनाने की दिशा में समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को बरोदा-जिंद लंक मार्ग पर पौधारोपण किया गया। संगठन ने सडक के आसपास नीम, जामुन एवं जंगली जलेबी के पौधे रोपे। संगठन द्वारा अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। संगठन की टीम ने नए पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई भी की। संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित देखभाल की जिम्मेदारी निभाना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानसून का अंतिम चरण चल रहा है।



ऑनलाइन जन्माष्टमी महोत्सव मनाया

सोनीपत। पढ़े बढे ट्रस्ट की सोनीपत शाखा की ओर से ऑनलाइन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में केजी से माध्यमिक कक्षाओं तक के करीब 30 बच्चे अरोध्या, पुणे, सूरत, सोनीपत, बंगलौर, लखनऊ और अंबेडकर नगर सहित विभिन्न स्थानों से ऑनलाइन जुड़े। बच्चों ने कविता, भजन, गीत, नृत्य, कथा, भाषण एवं संस्कृत श्लोक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा और संस्कारों का सुंदर प्रदर्शन किया। विशेष अतिथि मनोज कुमार शर्मा, जो स्वयं गीतावली हैं, ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथि आर्य कुमार मिश्रा ने भव्य आरती गायन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वे पद्म भूषण पं. राजन-साजन मिश्रा के शिष्य, पं. आशीष नारायण त्रिपाठी के शिष्य एवं अयोध्या स्थित ‘अद्वैत नाद म्यूजिक क्लारसेस’ के संस्थापक हैं। कार्यक्रम का संचालन श्वेतांबरी प्रजापति ने किया।



रंगोली में उकेरे कलात्मक प्रतिभा के रंग



गोहाना। गोहाना-सोनीपत मार्ग पर गांव बड़ौता स्थित राजकीय महाविद्यालय में उद्यमिता पखवाड़ा के अंतर्गत हमारी विरासत, हमारा उद्यम, हमारा भविष्य विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा के रंग उकेरते हुए उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया। विजेताओं को प्रचार्य अनिल ने पुरस्कृत किया। रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा नम्रता ने प्रथम, कक्षा बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा मोनिका ने द्वितीय और कक्षा बीए द्वितीय के रवि, अनिता व कक्षा बीसीए प्रथम वर्ष की नमनत संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। यह प्रतियोगिता महाविद्यालय के इतिहास विभाग और शौशल साइंस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। इसका मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए जागरूक करना था।

146 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा



सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन, अखिल भारतीय अगवाल सम्मेलन की जिला, महिला एवं युवा इकाई, श्री श्याम बालाजी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस व कृष्ण देवी श्याम मिश्रान भंडार के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, गद्दी घसीटा में 44वां मेगा स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 146 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच कराई और 9 समाजसेवियों ने रक्तदान किया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चैयरमैन वाई के. त्यागी ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए हर महीने के पहले रविवार को शिविर लगाया जाता है। अनिल गुप्ता, एडवोकेट अरविन्द भित्तल व सीए अजय मंगला ने बताया कि डॉक्टर अभिमन्यु सिंह के निर्देश पर सर्वेक्षण मल्टीस्पेशलिटी होस्पिटल के डॉ. संजीत खत्री ने 126 मरीजों की जांच की। फैमिली डॉक्टर विलिनिक के डॉ. वरुण शर्मा व डॉ. इरफान ने 20 मरीजों की दंत जांच की। कैंप इंचार्ज बलराज वशिष्ठ ने बताया कि डॉ. एसएन गुप्ता व राजेश गुप्ता ने तीन बच्चों की दवाइयां निशुल्क दीं, जिनका वितरण अरुण ने किया। महिला प्रधान संगीता मंगला ने पूजा, सोनिया, अरुण व अजय के सहयोग की सराहना की। हरि कौशिक, नरेश कंसल, सीए दीपक गुप्ता, नेहा आदि मौजूद थे।

गंदे पानी की समस्या से जूझ रहे राजपुर के ग्रामीण, दोनों तरफ नाली निर्माण की मांग

हरिभूमि न्यूज ►►गन्नौर

गांव राजपुर की एक गली में लंबे समय से गंदे पानी की निकासी की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी, एसडीएम गन्नौर तथा अन्य अधिकारियों को शिकायत देकर गली के दोनों ओर नाली निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या का समाधान नहीं होने से गली में गंदा पानी जमा रहता है, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। गांव राजपुर निवासी अमरजीत ने अधिकारियों को दिए आवेदन में बताया कि प्रेम पुत्र दीपा के मकान से देवेंद्र पुत्र वेदपाल के मकान तक गली में दोनों ओर नाली नहीं होने के कारण गंदे पानी की निकासी नहीं



हो पा रही है। यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है।अमरजीत ने बताया कि अब तक नाली निर्माण के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस संबंध में वह एसडीएम गन्नौर, विधायक देवेंद्र काटियावा और जिला उपायुक्त को भी शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि गली में गंदा पानी जमा रहने से मच्छर और अन्य बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी और एसडीएम गन्नौर से मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच के मांग की। उन्होंने जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी और एसडीएम गन्नौर से मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच के मांग की। उन्होंने जिला पंचायत एवं विकास अधिकारी और एसडीएम गन्नौर से मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच के मांग की।

गन्नौर। गंदे पानी की निकासी की समस्या को दूर करने के लिए ग्रामीणों की मांग।

खबर संक्षेप

58 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्धवास्था में मौत
खरखौदा। थाना क्षेत्र के गांव खांडा के खेत में 58 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान रमेश निवासी खांडा के रूप में हुई है। रमेश सुबह खेत में गया था। दोपहर करीब 1 बजे वह खेत में बेहोशी की हालत में मिला। आसपास के लोगों ने उसे देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं। प्राथमिक दृष्टि से मामला हृदयाघात से मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल, सोनीपत भेज दिया है।

10 तक कार्टवाइ नही हुई तो धरने की चेतावनी
सोनीपत। सेवानिवृत्त जेई एवं हड्डा पब्लिक हेल्थ कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष रामकिशन नागर ने दो बार जानलेवा हमले के आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त को उनके समर्थक संगठनों की पंचायत ने पुलिस कमिश्नर राई तथा क्राइम ब्रांच राई के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर आरोपितों की गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग की थी। दोनों अधिकारियों ने दो दिन में सभी आरोपितों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक शेष हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। रामकिशन नागर ने कहा कि हमले के बाद कुछ लोगों द्वारा उन पर समझौते का दबाव बनाया जा रहा है और ऐसा नहीं करने पर दोबारा अंजाम भुगतने की धमकी दी जा रही है।

रविवार दोपहर तक कहीं जमकर हुई बारिश, तो कहीं बूदाबांदी

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

सावन माह बीतने के बाद जिले में रविवार को मानसून फिर से सक्रिय दिखाई दिया। रविवार को पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय नजर आया। सुबह से दोपहर तक जिले में औसतन 12 एमएम बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से निजात दिलाई। ब्लॉक गन्नौर में जहां सबसे ज्यादा 45 एमएम बारिश दर्ज की गई, तो वहीं राई में 15 और सोनीपत व खरखौदा ब्लॉक में 6-6 एमएम बरसात हुई, जबकि गोहाना व खानपुर कलां क्षेत्र बारिश के अभाव से सूखे रहे। मौसम विशेषज्ञों की मानें, तो सोनीपत में रविवार को हुई बारिश के बाद अब मानसून विदाई की अग्रसर है। सितंबर माह के मध्य मानसून की विदाई हो सकती है। हालांकि इस बीच मानसून की गतिविधियां सक्रिय रह सकती है। ऐसे में आसमान में बादल छाए रहने या बूदाबांदी के आसार बने रहेंगे। बता दें कि राजस्थान में बने प्रति चक्रवातीय सर्कुलेशन से दक्षिणी पश्चिमी हवाओं ने अब तक दक्षिणी पूर्वी मानसून की हवाओं को रोक कर रखा था। अब मानसून हवाओं को वापस पूर्व की ओर धकेलने के बाद



भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन, विधायक कृष्णा गहलावत के आवास पर।

वरिष्ठ भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन विधायक कृष्णा के आवास पर पहुंचे, की मुलाकात

राई। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन रविवार को विधायक कृष्णा गहलावत के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न राजनीतिक एवं संगठनात्मक विषयों की लेकर चर्चा हुई। विधायक कृष्णा गहलावत ने शाहनवाज हुसैन का स्वागत किया और उनका कुशलक्षेम जाना। मुलाकात के दौरान क्षेत्र की राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन की गतिविधियों तथा पार्टी को और मजबूत करने को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय बनाकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर जोर दिया। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के विश्वास के कारण पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करने तथा सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि भाजपा संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ता मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों की गति मिल रही है। इस अवसर पर कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। शाहनवाज हुसैन और कृष्णा गहलावत की मुलाकात को पार्टी संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नंबरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि कार्यालय, वीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईंज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10 X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्तर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- छ. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईंज पर मान्य। अन्य किसी साईंज के लिए कोई दर नहीं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, वीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

सावन बीतने के बाद मानसून फिर हुआ सक्रिय, जिले में 12 एमएम बारिश ने उमस भरी गर्मी से दिलाई निजात

गन्नौर में सबसे ज्यादा 45 एमएम, राई में 15 और सोनीपत व खरखौदा में 6-6 एमएम बारिश हुई दर्ज

गोहाना व खानपुर कलां रहे सूखे, सितंबर माह के मध्य मानसून की हो सकती है विदाई, इस बीच सक्रिय रहेंगी मानसून की गतिविधियां



सोनीपत। गीता भवन रोड पर बूदाबांदी के बीच गुजरते राहगीर।



सोनीपत। सोनीपत के आर्य नगर में बारिश के बाद जलभराव की बनी स्थिति।

फोटो : हरिभूमि

उमस भरी गर्मी से मिली रहेंगी राहत

मौसम विशेषज्ञों की मानें, तो रविवार के बाद तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन आसमान साफ होने के बाद लोगों को उमस से राहत मिल मिलनी शुरू हो जाएगी। हालांकि रविवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर बाद तक बारिश होने के चलते दिन के तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई। दिन का अधिकतम तापमान जहां करीब 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस बना रहा। साथ ही बारिश के चलते वायु गुणवत्ता के स्तर में भी लगातार सुधार बना रहा। मौजूदा समय में एक्यूआई लगातार दो सप्ताह से 100 से नीचे बना हुआ है। शनिवार को जहां सोनीपत का एक्यूआई 81 दर्ज हुआ था, वहीं रविवार को एक्यूआई घटकर 66 पर आ गया, जोकि सेहत के लिए बेहतर माना जाता है।

वीरवार से ही मानसून की गतिविधियां शुरू हो गई थी। यही कारण रहा कि शुक्रवार और रविवार को जिले के कई हिस्सों में बारिश व बूदाबांदी दर्ज हुई, लेकिन बंगाल की खाड़ी में बने एक के बाद एक निम्न दबाव क्षेत्र विकसित होने के कारण प्रति चक्रवातीय सर्कुलेशन कमजोर

हो गया है। उधर पिछले कई दिनों से जिले में सक्रिय मानसून का रविवार को व्यापक असर नजर आया। जिले के अधिकतर क्षेत्रों में रविवार को झमाझम बारिश दर्ज की गई। रविवार सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे। फिर 10 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई।

मौसम विशेषज्ञ बोले
बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र की वजह से राजस्थान के ऊपर बने प्रति चक्रवातीय सर्कुलेशन को कमजोर कर दिया है। ऐसे में हरियाणा के पूर्वी जिलों में मानसून पुनः एक्टिव हुआ है। यही कारण रहा कि सोनीपत जिले के कई क्षेत्रों में रविवार को अच्छी बारिश हुई। हालांकि अब मानसून की गतिविधियां कमजोर होती नजर आ रही है। ऐसे में मानसून जल्द ही विदाई ले सकता है।

प्रो. चंदमोहन, मौसम विशेषज्ञ।

■ दोपहर बाद तक बारिश होने के चलते दिन के तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई

■ दिन का अधिकतम तापमान जहां करीब 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस बना रहा

हालांकि दोपहर तक औसतन 12 एमएम बारिश दर्ज होने के बाद धूप

खिलने से मौसम साफ हो गया। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो इस बार

संस्कारों से ही परिवार और समाज मजबूत, बच्चों को मोबाइल से दूर रखने की जरूरत : कादियान

■ आर्य समाज मंदिर के वार्षिक उत्सव व मुख्य हॉल का लोकार्पण किया

हरिभूमि न्यूज ►► गन्नौर

किशनपुरा स्थित आर्य समाज मंदिर में आयोजित वार्षिक उत्सव एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के तीन दिवसीय कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। अंतिम दिन यज्ञ, भजन, प्रवचन और भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में गन्नौर



गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान आर्य समाज मंदिर में हॉल का लोकार्पण करते हुए।

विधायक देवेंद्र कादियान पहुंचे। मंदिर पहुंचने पर आयोजकों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया। विधायक देवेंद्र कादियान ने आर्य समाज मंदिर के मुख्य हॉल में अपने निजी कोष से कराए गए वातानुकूलन कार्य का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने

भंडारे में सेवा की और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में आचार्य प्रमोद, कुलदीप भास्कर, संतोष आर्या और सत्यकरण दीवान ने प्रवचन के माध्यम से बच्चों में संस्कार, परिवार में सुख-शांति, स्वस्थ जीवन, सांसारिक परेशानियों से बचाव और मानसिक शांति जैसे विषयों पर

शिक्षक राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव : डॉ. अर्चना गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ►► सोनीपत

द सोनीपत हिन्दू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल सोसायटी की ओर से शिक्षक दिवस पर अध्यापकों, प्रोफेसरों और पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि हरियाणा भाजपा अध्यक्ष एवं हिन्दू गर्स कॉलेज की पूर्व छात्रा डॉ. अर्चना गुप्ता रहीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन, चरित्र और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करते हैं।



सोनीपत। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का स्वागत करते हुए सोसायटी के पदाधिकारी एवं अन्य।

विकसित भारत की मजबूत नींव शिक्षकों के ज्ञान और समर्पण से ही तैयार होगी। हिन्दू संस्था के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कहा कि शिक्षकों की

मेहनत और समर्पण से संस्था ने शिक्षा के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है। समारोह में संस्था के 112 वर्षों के इतिहास और पिछले तीन वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी

झुंडपुर में रक्तदान शिविर में 29 यूनिट रक्त एकत्रित

रक्तदान महादान, युवाओं को समाज सेवा में बढ़कर भाग लेना चाहिए : शेखर आंतिल

■ आर्य समाज मंदिर के वार्षिक उत्सव व मुख्य हॉल का लोकार्पण किया

हरिभूमि न्यूज ►► राई

गांव झुंडपुर की चौपाल में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ भाजपा जखौली मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल और गांव के सरपंच देवेंद्र के सहयोग से किया गया। बरसात के बावजूद ग्रामीणों और युवाओं ने शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में कुल 29 यूनिट रक्त



राई। भाजपा जखौली मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल और गांव के सरपंच देवेंद्र रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र देते हुए।

फोटो : हरिभूमि

एकत्रित किया गया। शिविर में सोनीपत सिविल अस्पताल से चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की टीम पहुंची। टीम ने रक्तदाताओं की आवश्यक जांच करने के बाद सुरक्षित तरीके से रक्त एकत्रित

किया। इस दौरान लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। भाजपा जखौली मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरत के समय

किसी दूसरे व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को समाजसेवा के ऐसे कार्यों में आगे बढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन के लिए ग्रामीणों, रक्तदाताओं और स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार जताया। गांव के सरपंच देवेंद्र ने कहा कि गांव में भविष्य में भी सामाजिक और जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर जितेंद्र कुमार जगदीशपुर, डॉ. शैलेंद्र राणा, विकास लैब टेक्नीशियन, मीनू काउंसलर, करमबीर झुंडपुर और राजेश राणा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

8 सितंबर को गोहाना पहुंचेंगे अमय सिंह चौटाला
गोहाना। इनलेनो सुप्रियो अमय सिंह चौटाला 8 सितंबर को गोहाना पहुंचेंगे। वे दोपहर 2 बजे गोहाना के सेक्टर-7 स्थित सामुदायिक भवन में गोहाना और बरोड़ा हलकों के कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। इनलेनो के प्रदेश सचिव एवं पूर्व प्रत्याशी जोगेंद्र मलिक के अनुसार बैठक के दौरान अमय सिंह चौटाला दोनों हलकों के पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगे के साथ भूतपूर्व उप प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल की जयंती पर 27 सितंबर को मेवात में आयोजित होने वाले उनके सम्मान समारोह के लिए कार्यकर्ताओं एवं आमजन को निमंत्रण देंगे। बैठक में इनलेनो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इनलेनो वरिष्ठ नेता जोगेंद्र मलिक ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से 8 सितंबर की बैठक में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया।



जोगेंद्र सिंह मलिक।

4827 करोड़ से होगा सड़कों का कार्याकल्प : रोहिल्ला
गोहाना। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुकेश रोहिल्ला ने कहा कि भाजपा को प्रदेश सरकार की दूरदर्शी नीतियों से मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश सरकार की प्रादेशिक सड़क उद्योग परियोजना विकास की नई हड़बत लिखेगी। योजना के तहत 4827 करोड़ रुपये की लागत से 9410 किलोमीटर लंबी 4227 सड़कों की मरम्मत की जाएगी। भाजपा नेता मुकेश रोहिल्ला ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हर दिशा में चहुमुखी विकास करवाया जा रहा है। अब सरकार द्वारा शुरू की गई प्रादेशिक सड़क उद्योग परियोजना से आधारभूत संरचना सुदृढ़ बनेगी। योजना के तहत वर्ष 2025-26 के दौरान नई सम्पर्क सड़कों के निर्माण पर लगभग 212 करोड़ रुपये खर्च तथा 66 किलोमीटर लंबी 28 सड़कों के निर्माण हेतु 36.18 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इसी सत्र में सड़कों की विशेष मरम्मत पर लगभग 286 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से यातायात व्यवस्था तो सुगम होगी ही साथ में प्रदेश विकास की दिशा में आगे भी बढ़ेगा।



स्टेट कशटे में प्रताप स्कूल के हर्षित ने जीता रजत खरखौदा। चरखी दादरी में आयोजित एसजीएफआई स्टेट कराटे चैंपियनशिप में प्रताप स्कूल के पांच खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें अंडर-17 वर्ग के हर्षित ने 74-78 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में पहुंचने पर खिलाड़ियों और हर्षित का जोरदार स्वागत किया गया। विद्यालय में आयोजित स्वागत समारोह में द्रोणाचार्य अवॉर्ड एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर ओम प्रकाश दहिया, संस्थापक सत प्रकाश नंबरदार, प्राचार्य दया दहिया, अकादमिक डायरेक्टर डॉ. सुधीर दहिया तथा कराटे कोच जगमोद पांचाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। हर्षित ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय प्रबंधन, कोच, अभिभावकों और अपने साथियों को दिया।

बुद्धा इंटरनेशनल में हुआ शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम
खरखौदा। बुद्धा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शनिवार को शिक्षक दिवस का मध्य आयोजन अत्यंत हार्दिकता के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा एवं मनमोहक प्रस्तुतियों से समारोह को यादगार बना दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य योगेंद्र दहिया, मैनेजिंग डायरेक्टर आर. एन. दहिया, कान्ता दहिया, प्रबंधन की ओर से कामिनी दहिया, नेहा दहिया तथा कोऑर्डिनेटर शिवानी शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। यह आयोजन विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समस्त विद्यालय परिवार के लिए आनंद, प्रेम और संस्कारों से परिपूर्ण एक अविस्मरणीय अवसर रहा।

